Demand to revise the Central share of Accelerated Irrigation Benefits Programme (AIBP) projects as per 2016 prices to reduce the financial burden on States

SHRI PRASHANTA NANDA (Odisha): Sir, eight major and medium irrigation projects, earlier funded under Accelerated Irrigation Benefit Scheme, have now been identified for completion by 2019 under the Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana (PMKSY). However, the Ministry of Water Resources has approved the cost estimate of these projects as on 1st April, 2012 with 20 per cent price escalation for determination of the Grant Component. At 2016 prices, the revised estimates of these eight projects identified for completion is much higher. If this is taken into account, the State will have to effectively bear about 75 per cent of the revised cost including the cost of establishment from State share instead of 40 per cent as envisaged under the scheme. Recently, the Government of India has approved the cost estimate of these projects at 2016 prices for sanction of loan from Long Term Irrigation Fund (LTIF) to finance the State share. However, the Central share has not been revised and kept at the 1st April, 2012 price with 20 per cent price escalation. My request is, the Government of India should revise the Central share at the 2016 prices and finance the Central share of the projects as per 2016 prices including the cost of establishment so as to lessen the financial burden of the State.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

श्री सभापति: सुश्री सरोज पाण्डेय। अभी ज़ीरो ऑवर में कुछ समय बचा है। आप बोलिए।

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Need for One Nation-One Election

सुश्री सरोज पाण्डेय (छत्तीसगढ़): सभापति जी, मैं जिस विषय को उठाना चाहती हूं, वह विषय पूरे देश के लिए बहुत ज्वलंत विषय है। हमारे देश में भौगोलिक दृष्टि से, आर्थिक दृष्टि से, सामाजिक दृष्टि से बहुत सारी संस्कृतियां हैं। हम इन सभी संस्कृतियों को अपने आप में समेट कर ही देश को आगे बढ़ाते हैं। हमारी संस्कृति बहुत समृद्धशाली है, लेकिन मैं इस विषय पर कहना चाहती हूं कि हमारे देश में लोकतांत्रिक परम्परा है। इस लोकतांत्रिक परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए हर वर्ष कई राज्यों में चुनाव होते हैं, देश में चुनाव होता है और हम इसे एक

[सुश्री सरोज पाण्डेय]

पर्व के रूप में मनाते हैं। जो चुनाव होते हैं, वे हमारी लोकतांत्रिक परम्परा को और समृद्ध, सुदृढ़ करते हैं। लोकतांत्रिक परम्पराओं को हम सब मजबूत करने के लिए विभिन्न प्रकार के चुनाव के माध्यम से एक नई सरकार का गठन करते हैं, जो केन्द्र में होती है, जो राज्य में होती है। लेकिन जब-जब चुनाव होते हैं, हर राज्य में चुनाव होते हैं, तो वे अलग-अलग समय पर होते हैं। माननीय सभापति जी, इन चुनावों में बहुत बड़ी राशि का उपयोग होता है और बहुत बड़ी राशि का उपयोग राज्यों में होने के साथ-साथ, जब केन्द्र का भी चुनाव होता है, तो हमारी एक बड़ी राशि, जिसे हम देश के विकास पर लगा सकते हैं, इन सभी राशियों को अगर हम एकत्रित करें, तो इसका अनुपात बहुत बड़ा है। इस प्रकार से देश के संसाधनों का एक बड़ा उपयोग चुनाव में होता है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में इस बात को कहना चाहती हूं कि हम एक साथ चुनाव कराने की दिशा पर विचार करें, एक साथ चुनाव कराएं। केन्द्र में होने वाला चुनाव और सभी प्रदेशों के चुनाव, सभी राज्यों के चुनाव यदि एक साथ होते हैं, तो भारत के संसाधनों का समुचित उपयोग हो पाएगा, जिसका हम देश के विकास में उपयोग कर सकेंगे। मैं इतना ही कहना चाहती हूं, धन्यवाद।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI S.R. BALASUBRAMONIYAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री सभापति: माननीय सदस्यगण, कुछ लोगों से एक अनुरोध है, जिन्होंने जीरो ऑवर में नोटिस दिया, वह admit नही हो पाया, उसको स्पेशल मेंशन के रूप में कन्वर्ट करने में कोई आपत्ति नही होनी चाहिए। मगर इसमें एक ही प्रॉब्लम है कि जो स्पेशल मेंशन वाला नोटिस है, उसकी पहले स्क्रूटनी होनी है, यह पहला विषय है। दूसरी बात यह है कि जो विषय माननीय सदस्य उठाना चाहते हैं, उस विषय पर already हमारे सदन में बहस हो चुकी है कोरोनावायरस के बारे में। फिर भी, दो-तीन सदस्यों ने नाम दिए हैं, तो मैं उन सदस्यों को एक-एक मिनट में, कोई नया विषय जोड़ना है, तो उसको जोड़ने के लिए, अनुमति दे रहा हूं। श्री देरेक ओब्राईन। This is about Coronavirus.

Need for an integrated plan to fight against Coronavirus

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, there comes a time in the life of a nation where we all need to rise above our party flags and politics. I just want to use the next one minute to just to convey how we can prevent something like this. And, I think I can only speak in Bengali or English, I will speak in English. If this is done perhaps in the local language across, it will be much better. It is basically about washing your hands. इतना ही करना है। सर, हमने यही लिखा है।